http://www.upboardonline.com

अनुक्रमांक

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 11

नाम .....

102/1 304 (AP)

2018

सामान्य हिन्दी

प्रथम प्रश्न-पत्र

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] *[पूर्णांक : 50*

निर्देश : *प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।*

---

1. (क) 'शृंगार-रस-मंडन' के रचनाकार हैं *1*

(i) गोस्वामी विट्ठलनाथ

(ii) लल्लूलाल

(iii) गोकुलनाथ

(iv) नाभादास

(ख) 'कवि-वचन सुधा' के सम्पादक थे *1*

(i) बालकृष्ण भट्ट

(ii) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

(iii) प्रतापनारायण मिश्र

(iv) बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमघन'

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

(ग) 'आवारा मसीहा' के लेखक हैं *1*

(i) अमृतराय

(ii) बनारसी दास चतुर्वेदी

(iii) विष्णु प्रभाकर

(iv) गंगाप्रसाद पाण्डेय

(घ) 'नीड़ का निर्माण फिर' के लेखक हैं *1*

(i) श्यामसुन्दर दास

(ii) वियोगी हरि

(iii) राहुल सांकृत्यायन

(iv) हरिवंशराय 'बच्चन'

(ङ) डॉ. श्यामसुन्दर दास द्वारा लिखित 'मेरी कहानी' हिन्दी गद्य की कौन-सी विधा है ? *1*

(i) आत्मकथा

(ii) जीवनी

(iii) संस्मरण

(iv) कहानी

2. (क) 'रसमंजरी' के रचनाकार हैं *1*

(i) कृष्ण दास

(ii) नन्ददास

(iii) परमानन्द दास

(iv) चतुर्भुज दास

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

(ख) निम्नलिखित में से कौन-सी रचना महाकाव्य *नहीं* है ? *1*

(i) पद्मावत

(ii) कामायनी

(iii) रश्मिरथी

(iv) साकेत

(ग) जयशंकर प्रसाद के काव्य की सिद्धावस्था है *1*

(i) आँसू

(ii) झरना

(iii) लहर

(iv) कामायनी

(घ) 'हारे को हरिनाम' काव्य-ग्रन्थ के रचनाकार हैं *1*

(i) रामधारी सिंह 'दिनकर'

(ii) जगन्नाथ दास रत्नाकर

(iii) सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'

(iv) मुक्तिबोध

(ङ) 'अज्ञेय' जी की रचना है *1*

(i) कुरुक्षेत्र

(ii) हरी घास पर क्षण-भर

(iii) रश्मिरथी

(iv) हुंकार

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

3. (क) निम्नलिखित अवतरणों में से किसी *एक* की सन्दर्भ-सहित व्याख्या कीजिए : *2+5=7*

(i) भारतीय साहित्य में, और इसलिए जीवन में भी, इस पुष्प का प्रवेश और निर्गम दोनों ही विचित्र नाटकीय व्यापार हैं । ऐसा तो कोई नहीं कह सकता कि कालिदास के पूर्व भारतवर्ष में इस पुष्प का कोई नाम ही नहीं जानता था; परन्तु कालिदास के काव्यों में यह जिस शोभा और सौकुमार्य का भार लेकर प्रवेश करता है, वह पहले कहाँ था ! उस प्रवेश में नववधू के गृह-प्रवेश की भाँति शोभा है, गरिमा है, पवित्रता है और सुकुमारता है । फिर एकाएक मुसलमानी सल्तनत की प्रतिष्ठा के साथ-ही-साथ यह मनोहर पुष्प साहित्य के सिंहासन से चुपचाप उतार दिया गया । नाम तो लोग बाद में भी लेते थे, पर उसी प्रकार जिस प्रकार बुद्ध, विक्रमादित्य का । अशोक को जो सम्मान कालिदास से मिला, वह अपूर्व था ।

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

(ii) **नए शब्द, नए मुहावरे एवं नई रीतियों के प्रयोगों से युक्त भाषा को व्यावहारिकता प्रदान करना ही भाषा में आधुनिकता लाना है । दूसरे शब्दों में केवल आधुनिक युगीन विचारधाराओं के अनुरूप नए शब्दों के गढ़ने मात्र से ही भाषा का विकास नहीं होता, वरन् नए पारिभाषिक शब्दों को एवं नूतन शैली-प्रणालियों को व्यवहार में लाना ही भाषा को आधुनिकता प्रदान करना है ।** क्योंकि व्यावहारिकता ही भाषा का प्राणतत्त्व है । नए शब्द और नए प्रयोगों का पाठ्य-पुस्तकों से लेकर साहित्यिक पुस्तकों तक एवं शिक्षित व्यक्तियों से लेकर अशिक्षित व्यक्तियों तक के सभी कार्यकलापों में प्रयुक्त होना आवश्यक है । इस तरह हम अपनी भाषा को अपने जीवन की सभी आवश्यकताओं के लिए जब प्रयुक्त कर सकेंगे तब भाषा में अपने आप आधुनिकता आ जाएगी ।

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

(ख) निम्नलिखित में से किसी **एक** सूक्ति की सन्दर्भ-सहित व्याख्या कीजिए : *1+2=3*

(i) हम भारतवासी गीता को कण्ठ में रखकर धनी हुए और तुम उसे जीवन में लेकर कृतार्थ हुई ।

(ii) **संस्कृति परम्परा से निःसृत होने** पर भी **परिवर्तनशील और गतिशील है ।**

(iii) मन बहुत बेचैन था – बिना पूरी तरह भीगे सूखती मिट्टी की तरह ।

http://www.upboardonline.com

4. (क) निम्नलिखित अवतरणों में से किसी ***एक*** की सन्दर्भ-सहित व्याख्या कीजिए : *2+5=7*

(i) कहा मनु ने, "नभ धरणी बीच
बना जीवन रहस्य निरुपाय;
एक उल्का-सा जलता भ्रांत,
शून्य में फिरता हूँ असहाय" ।
'कौन हो तुम वसंत के दूत
विरस पतझड़ में अति सुकुमार;
घन तिमिर में चपला की रेख
तपन में शीतल मंद बयार !'

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

(ii) कह न ठंडी साँस में अब भूल वह जलती कहानी,
आग हो उर में तभी दृग में सजेगा आज पानी;
हार भी तेरी बनेगी मानिनी जय की पताका,
राख क्षणिक पतंग की है अमर दीपक की निशानी !
है तुझे अंगार-शय्या पर मृदुल कलियाँ बिछाना !
जाग तुझको दूर जाना !

(ख) निम्नलिखित सूक्तियों में से किसी **एक** की सन्दर्भ-सहित व्याख्या कीजिए : *1+2=3*

(i) होठों की औ कमल-मुख की म्लानताएँ मिटाना !

(ii) तप नहीं केवल जीवन सत्य ।

(iii) मैं नीर-भरी दुख की बदली !

5. निम्नलिखित में से किसी **एक** लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए, उसकी रचनाओं का उल्लेख कीजिए : *3+1=4*

(क) डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी

(ख) प्रो. जी. सुन्दर रेड्डी

(ग) हरिशंकर परसाई

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

6. निम्नलिखित में से किसी **एक** कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए, उसकी रचनाओं का उल्लेख कीजिए : *3+1=4*

(क) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

(ख) सुमित्रानन्दन पन्त

(ग) रामधारी सिंह 'दिनकर'

7. (क) 'लाटी' अथवा 'पंचलाइट' कहानी का सारांश लिखिए । *1*

अथवा

'ध्रुवयात्रा' अथवा 'बहादुर' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए ।

(ख) व्यवस्थित नाटक के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी **एक** का उत्तर दीजिए : *1*

(i) 'कुहासा और किरण' नाटक के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'कुहासा और किरण' नाटक के तृतीय अंक की कथा अपने शब्दों में लिखिए ।

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

(ii) 'सूत-पुत्र' नाटक के आधार पर कृष्ण का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'सूत-पुत्र' नाटक के चतुर्थ अंक की कथा अपने शब्दों में लिखिए ।

(iii) 'आन का मान' नाटक की नायिका का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'आन का मान' नाटक के द्वितीय अंक की कथा अपने शब्दों में लिखिए ।

(iv) 'गरुड़ध्वज' नाटक की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'गरुड़ध्वज' नाटक के प्रमुख नारी पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

(v) 'राजमुकुट' के आधार पर अकबर का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'राजमुकुट' नाटक के तृतीय अंक की कथा अपने शब्दों में लिखिए ।

8. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी *एक* खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए : *4*

(क) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की प्रमुख घटनाओं का वर्णन कीजिए ।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर महात्मा गाँधी का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(ख) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य का कथासार वर्णित कीजिए ।

अथवा

'सत्य की जीत' के आधार पर दुःशासन का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

(ग) 'आलोक-वृत्त' के आधार पर इसके प्रमुख पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'आलोक-वृत्त' के चतुर्थ सर्ग की कथा अपने शब्दों में लिखिए ।

(घ) 'त्यागपथी' के आधार पर हर्षवर्धन का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'त्यागपथी' के पाँचवें सर्ग की कथा अपने शब्दों में लिखिए ।

(ङ) 'श्रवण कुमार' खण्डकाव्य के आधार पर इसके नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'श्रवण कुमार' खण्डकाव्य के 'आश्रम' सर्ग की कथा अपने शब्दों में लिखिए ।

(च) 'रश्मिरथी' के आधार पर कर्ण का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य का कथासार अपने शब्दों में लिखिए ।

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com